Series HMJ/C

SET-3

कोड नं. **29/C/3**

रोल नं. | | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **13** प्रश्न हैं ।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे — *अधिकतम अंक : 80*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *प्रश्न-पत्र **तीन** खण्डों में विभाजित किया गया है — **क, ख** एवं **ग** । सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।*

(ii) ***खण्ड क** में प्रश्न संख्या **1** और **2** अपठित गद्यांश एवं काव्यांश पर आधारित हैं ।*

(iii) ***खण्ड ख** में प्रश्न संख्या **3** से **6** तक प्रश्न कार्यालयी हिन्दी और रचनात्मक लेखन पर आधारित हैं ।*

(iv) ***खण्ड ग** में प्रश्न संख्या **7** से **13** तक प्रश्न पाठ्य-पुस्तकों से हैं ।*

(v) *यथासंभव प्रत्येक खण्ड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए ।*

(vi) *उत्तर संक्षिप्त तथा क्रमिक होने चाहिए और साथ ही दी गई शब्द सीमा का यथासंभव अनुपालन कीजिए ।*

(vii) *प्रश्न-पत्र में समग्र पर कोई विकल्प नहीं है । तथापि, कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं । ऐसे प्रश्नों में से **केवल एक ही विकल्प का उत्तर** लिखिए ।*

(viii) *इनके अतिरिक्त, आवश्यकतानुसार, प्रत्येक खण्ड और प्रश्न के साथ यथोचित निर्देश दिए गए हैं ।*

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

साहित्य का आधार जीवन है । इसी नींव पर साहित्य की दीवार खड़ी होती है, उसकी अटारियाँ, मीनारें और गुंबद बनते हैं; लेकिन बुनियाद मिट्टी के नीचे दबी पड़ी है । उसे देखने को भी किसी का जी नहीं चाहेगा । जीवन परमात्मा की सृष्टि है, इसलिए अनंत है, अबोध है, अगम्य है । साहित्य मनुष्य की सृष्टि है; इसलिए सुबोध है, सुगम है और मर्यादाओं से परिमित भी है । जीवन परमात्मा को अपने कामों का जवाबदेह है या नहीं, हमें मालूम नहीं, लेकिन साहित्य तो मनुष्य के सामने जवाबदेह है । इसके लिए कानून जैसी परंपराएँ हैं जिनसे वह इधर-उधर नहीं हो सकता । जीवन का उद्देश्य आनंद है । मनुष्य जीवनपर्यंत आनंद की खोज में लगा रहता है । किसी को वह रत्न-द्रव्य में मिलता है, किसी को भरे-पूरे परिवार में, किसी को लंबे-चौड़े भवन में, किसी को ऐश्वर्य में । लेकिन साहित्य का आनंद, इस आनंद से ऊँचा है, इससे पवित्र है । उसका आधार सुंदर और सत्य है । वास्तव में, सच्चा आनंद सुंदर और सत्य से मिलता है । उसी आनंद को दर्शाना, वही आनंद उत्पन्न करना साहित्य का उद्देश्य है । ऐश्वर्य या भोग के आनंद में ग्लानि छिपी होती है, उससे अरुचि भी हो सकती है; पश्चाताप भी हो सकता है पर सुंदर साहित्य से जो आनंद प्राप्त होता है वह अखंड और अमर है ।

सत्य से आत्मा का तीन प्रकार का संबंध है । एक जिज्ञासा का, दूसरा प्रयोजन का और तीसरा आनंद का । जिज्ञासा का संबंध दर्शन का विषय है, प्रयोजन का संबंध विज्ञान का विषय है और साहित्य का विषय केवल आनंद का संबंध है । सत्य जहाँ आनंद का स्रोत बन जाता है, वहीं साहित्य हो जाता है । जिज्ञासा का संबंध विचार से; प्रयोजन का स्वार्थ-बुद्धि से जबकि आनंद का संबंध मनोभावों से है । साहित्य का विकास मनोभावों द्वारा ही होता है । एक दृश्य, घटना या कांड को हम भिन्न-भिन्न नज़रों से देख सकते हैं । हिम से ढँके हुए पर्वत पर उषा का दृश्य दार्शनिक के लिए गहरे विचार की वस्तु है, वैज्ञानिक के लिए अनुसंधान की, और साहित्यिक के लिए भाव विह्वलता की ।

जो युवा साहित्य को अपने जीवन का ध्येय बनाना चाहते हैं, उन्हें बहुत आत्मसंयम की आवश्यकता है, क्योंकि वे अपने को एक महान कार्य के लिए तैयार कर रहे हैं । चित्त की साधना, संयम, सौंदर्य-तत्त्व का ज्ञान इनकी अधिक आवश्यकता है । साहित्यकार को आदर्शवादी होना चाहिए । भावों का परिमार्जन भी उतना ही वांछनीय है । सच्चे साहित्य सेवी सच्चे तपस्वी और आत्मज्ञानी हों ।

(क) सोदाहरण स्पष्ट कीजिए एक ही घटना को किस प्रकार अलग-अलग नज़रों से देखा जा सकता है । *2*

(ख) 'जीवनपर्यंत खोज' से आप क्या समझते हैं ? किसकी खोज मनुष्य कहाँ-कहाँ जीवनपर्यंत करता है ? *2*

(ग) जीवन क्या माना गया है ? उसमें अरुचि किस बात से होती है ? *2*

(घ) साहित्य को जीवन का लक्ष्य बनाने वाले युवाओं को किस पर ध्यान देना चाहिए और क्यों ? *2*

(ङ) साहित्य के आधार को स्पष्ट करते हुए बताइए कि उसका उद्देश्य क्या है । *2*

(च) गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए । *1*

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए : *1×5=5*

तेरी आभा का कण नभ को,
देता अगणित दीपक दान;
दिन को कनक-राशि पहनाता,
विधु को चाँदी-सा परिधान;
करुणा का लघुबिंदु युगों से,
भरता छलकाता नव घन;
समा न पाता जग के छोटे
प्याले में उसका जीवन !
तेरी महिमा की छाया-छबि,
छू होता वारीश अपार;
नील गगन पा लेता घन-सा,
तम-सा अंतहीन विस्तार;
सुषमा का कण एक खिलाता
राशि-राशि फूलों के वन;
शत-शत झंझावात प्रलय –
बनता पल में भू-संचालन
सच है कण का पार न पाया,
बन बिगड़े असंख्य संसार;
पर न समझना देव हमारी –
लघुता है जीवन की हार !

(क) कवि किस सच्चाई को स्वीकारता है ?

(ख) भाव समझाइए –
'सुषमा का कण एक खिलाता
राशि-राशि फूलों के वन ।'

(ग) 'लघुता' के जीवन को हार क्यों नहीं समझा जाना चाहिए ?

(घ) रात और दिन में नभ की आभा कैसी होती है ?

(ङ) 'छोटा प्याला' किसे कहा गया है और क्यों ?

अथवा

किस तरह होती जा रही है दुनिया
कैसे छोड़कर जाऊँगा मैं बच्चो,
तुम्हें और तुम्हारे बच्चों को
इस काँटेदार भूलभुलैया में
किस तरह और क्या सोचते हुए
मरूँगा मैं कितनी मुश्किल से
साँस लेने के लिए भी जगह होगी या नहीं
खिड़की से क्या पता
कब दिखना बंद हो हरी पत्तियों के गुच्छे
हरी पत्तियों के गुच्छे नहीं होंगे
तो मैं कैसे मरूँगा
मैं घर में पैदा हुआ
घर के पेड़ का सगा था
गाँव में बड़ा हुआ
गाँव के खेत-मैदान का सगा था
पर अब किस तरह रंग बदल रही है दुनिया
मैं कारखाने में फँसी आवाज़ों के बिस्तर पर
नहीं मरूँगा,
कारखाने ज़रूरी हैं
कोई अफसोस नहीं
आदमी आकाश में सड़कें बनाए
कोई दिक्कत नहीं ।

(क) 'आदमी के आकाश में सड़क बनवाने' का भाव स्पष्ट कीजिए ।

(ख) कवि के गाँव-घर की स्मृतियों का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।

(ग) कारखाने किसके प्रतीक हैं ? क्या वास्तव में उनका 'अफसोस' नहीं होना चाहिए ?

(घ) कविता में किस बात की चिंता व्यक्त की गई है ?

(ङ) कवि क्यों कह रहा है कि 'मरूँगा मैं कितनी मुश्किल से' ?

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : *5*

(क) दीप से दीप जले

(ख) कविता खोले मन की गाँठ

(ग) ओह ! ये टीवी के चैनल

4. राष्ट्रीय राजमार्ग-24 पर भारी वाहनों की आवाजाही के कारण सुबह-शाम कार्यालय जाने वाले लोगों को ट्रैफिक जाम से लेकर दुर्घटनाओं तक का सामना करना पड़ता है । परिवहन विभाग के निदेशक को पत्र लिख कर भारी वाहनों के लिए अलग समय निर्धारित करने का आग्रह कीजिए । *5*

अथवा

आप राधिका/रोहित हैं जो भोपाल में 'मूक और बधिर' बच्चों के लिए एक स्वयंसेवी संस्था चलाते हैं । इस संस्था की ज़रूरतों के बारे में बताते हुए, सहायता का निवेदन करते हुए 'राज्य के समाज कल्याण मंत्रालय' को 80 – 100 शब्दों में पत्र लिखिए ।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 15 – 20 शब्दों में लिखिए : *1×5=5*

(क) संपादकीय किसे कहते हैं ?

(ख) 'इनडेप्थ रिपोर्ट' से आप क्या समझते हैं ?

(ग) वेब पत्रकारिता में क्या-क्या शामिल है ?

(घ) खोजी पत्रकार के कार्य स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) मुद्रित माध्यम की दो विशेषताएँ लिखिए ।

6. किसी कहानी में चरित्र-चित्रण की प्रमुख विधियाँ क्या-क्या हैं ? 'ईदगाह' कहानी में किनका उपयोग किया गया है ? लगभग 80 – 100 शब्दों में उत्तर लिखिए । *5*

अथवा

रेडियो समाचार लिखते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए । लगभग 80 – 100 शब्दों में उत्तर लिखिए । *5*

अथवा

उल्टा पिरामिड शैली क्या है ? समाचार लेखन में इस शैली का प्रयोग कैसे होता है ? उदाहरण सहित लिखिए । लगभग 80 – 100 शब्दों में उत्तर लिखिए । *5*

खण्ड ग

7. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** काव्यांश की लगभग 120 – 150 शब्दों में सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *8*

सिर झुकाए निराश लौटते हैं हम
कि सत्य अंत तक हमसे कुछ नहीं बोला
हाँ हमने उसके आकार से निकलता वह प्रकाश-पुंज देखा था
हम तक आता हुआ
वह हममें विलीन हुआ या हमसे होता हुआ आगे बढ़ गया
हम कह नहीं सकते
न तो हममें कोई स्फुरण हुआ और न ही कोई ज्वर
किंतु शेष सारे जीवन हम सोचते रह जाते हैं
कैसे जानें कि सत्य का वह प्रतिबिंब हममें समाया या नहीं ।

अथवा

मातु मंदि मैं साधु सुचाली । उर अस आनत कोटि कुचाली ।।
फरह कि कोदब बालि सुसाली । मुकता प्रसव कि संबुक काली ।।
सपनेहुँ दोसक लेसु न काहू । मोर अभाग उदधि अवगाहू ।।
बिनु समुझें निज अघ परिपाकू । जारिउँ जायँ जननि कहि काकू ।।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 – 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(क) पुत्री के विवाह-प्रसंगों में कवि निराला को अपनी स्वर्गीया पत्नी क्यों याद आती है ?

(ख) नायिका के 'नयन न तिरपित भेल' कहने का आशय स्पष्ट करते हुए, उसकी मनोदशा का वर्णन कीजिए ।

(ग) 'फागुन की शोभा' का वर्णन करते हुए लिखिए कि वसंत के आगमन से विरह-दशा दोगुनी कष्टप्रद क्यों हो जाती है ।

9. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी ***एक*** के काव्य-सौंदर्य पर लगभग 80 – 100 शब्दों में प्रकाश डालिए : *4*

(क) आनाकानी आरसी निहारिबो करौगे कौलों ?
कहा मो चकित दसा त्यों न दीठि डोलिहै ?
मौन हू सौं देखिहौं कितेक पन पालिहौ जू
कूकभरी मूकता बुलाय आप बोलिहै ।

(ख) हाथ जो पाथेय थे, ठग –
ठाकुरों ने रात लूटे,
कंठ रुकता जा रहा है,
आ रहा है काल देखो ।

10. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लगभग 80 – 100 शब्दों में कीजिए : *5*

गन्ने का एक छोर हाथी की सूँड में था और दूसरा आदमी के मुँह में । गन्ने के साथ-साथ आदमी हाथी के मुँह की तरफ खिंचने लगा तो उसने गन्ना छोड़ दिया ।

हाथी ने कहा, "देखो, हमने एक गन्ना खा लिया ।"

इसी तरह हाथी और आदमी के बीच साझे की खेती बँट गई ।

11. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 – 70 शब्दों में लिखिए : *3×2=6*

(क) 'आधुनिक भारत के नए शरणार्थी' किन्हें कहा गया है ? विकास की दौड़ में वे शरणार्थी कैसे बन गए ? 'जहाँ कोई वापसी नहीं' के आधार पर समझाइए ।

(ख) जब नेहरू सीढ़ियों से उतर रहे थे तब लेखक ने कौन-सी बचकानी हरकत की ? आप नेहरू की जगह होते तो क्या करते ?

(ग) बोधिसत्व की मूर्ति व्यास जी ने कैसे प्राप्त की ? 'कच्चा चिट्ठा' के आधार पर उसका महत्त्व स्पष्ट करते हुए बताइए कि फ्रांसीसी डीलर की नज़र उस पर क्यों थी ।

12. विद्यापति **अथवा** केदारनाथ सिंह का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । *5*

अथवा

हज़ारी प्रसाद द्विवेदी **अथवा** फणीश्वरनाथ 'रेणु' का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी भाषागत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । *5*

13. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 – 100 शब्दों में लिखिए : *4×3=12*

(क) "आधुनिक समाज अपने नदियों, तालाबों की उपेक्षा कर अपने लिए संकट मोल ले चुका है ।" कथन की सत्यता पर 'अपना मालवा' के संदर्भ में टिप्पणी कीजिए ।

(ख) 'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ में विकलांगों एवं स्त्रियों के साथ किया गया व्यवहार हमारे समाज के क्रूर यथार्थ का कठोर रूप कैसे है ? विचार कीजिए ।

(ग) 'वे हिम के पिघलने का इंतजार कर रहे थे और रूप और शेखर उनके अंदर के हिम के' – कथन के आलोक में स्पष्ट कीजिए कि व्यक्ति का बाहरी संघर्ष भीतरी तौर पर उसे कठोर और सख़्त बना देता है ।

(घ) बरसों बाद घर लौट रहे रूपसिंह की मनोदशा का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए और लिखिए कि अगर आप उसकी जगह होते तो किन भावनाओं से भरे हुए होते ।

(ङ) बिसनाथ का अपनी माँ को याद करना वात्सल्य की सहज प्राकृतिक भावधारा में डुबा ले जाता है – 'बिस्कोहर की माटी' के आधार पर सोदाहरण पुष्टि कीजिए ।